राष्ट्रीय दृष्टि बाधित एवं मूक बधिर जूडो प्रतियोगिता का समापन, जूडो खेल प्रतियोगिता में बच्चों का उत्कृष्ट प्रदर्शन, राज्यपाल ने राष्ट्रीय दृष्टि बाधित एवं मूक बधिर जूडो खिलाड़ियों को ट्राफियां वितरित की, जूडो प्रतियोगिता से सुरक्षा की भावना को बल- श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 21 मार्च, 2021

खेल से हमारे मन मे आत्मविश्वास पैदा होता है, जिससे हमारे जीवन में उत्साह के साथ-साथ स्वच्छ प्रतियोगिता की भावना आती है। ये विचार उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में आयोजित नौवी राष्ट्रीय दृष्टि बाधित एवं मूक बधिर जूडो प्रतियोगिता के समापन अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस त्रिदिवसीय प्रतियोगिता में आपने उत्कृष्ट प्रदर्शन किये हैं। आप सभी ने अपने हुनर को पहचाना है। मैं आपके माता-पिता को भी धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने आपकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का मौका दिया।

राज्यपाल ने कहा कि खिलाड़ी रात-दिन मेहनत करके आगे बढ़ते हैं और प्रतियोगिता में मेडल प्राप्त करते हैं। जुडो प्रतियोगिता आपको ताकत देती है तथा आप में सुरक्षा की भावना भरती है। निश्चय ही आपका ये प्रयास आप सभी के लिये भविष्य में होने वाली किसी भी परेशानी से लड़ने मे मददगार साबित होगा। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुये कहा कि आपने विगत 10 वर्ष में इन दृष्टिबाधित एवं मूक बधिर बच्चों को इतनी बड़ी तादाद में जमाकर इस स्थान पर खड़ा किया है जहां पर इनके अन्दर आत्मविश्वास बढ़ने के साथ-साथ इन्हें आप लोगों की तरह कला सीखने का मौका मिला।

राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में हमारे देश एवं प्रदेश के इन्हीं बच्चों में से कुछ भारत के लिये एशियन पैरा गेम्स व पैरालम्पिक में भाग लेकर पदक प्राप्त करेंगे और अपने माता-पिता और प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करेंगे। राज्यपाल ने बताया कि राजभवन में यू0पी0 जूडो एसोसिएशन द्वारा राजभवन की बालिकाओं को दिया गया तीन माह का स्पेशल जूडो प्रशिक्षण कैम्प उनके लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। आज हमारी बालिकाएं जूडो के अगले पायदान यलो बेल्ट तक पहुंच गयी है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन में जूडो सीख रही सभी 25 बालिकाओं को जूडो यलो बेल्ट का वितरण किया, इसके साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टि बाधित एवं मूक बधिर प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को सम्मानित किया, इसमें हरियाणा से 08, तमिलनाडु से 04, महाराष्ट्र से 03 और मध्य प्रदेश से 05 खिलाड़ी शामिल हैं। इसके साथ ही 02 भार वर्ग के दृष्टि बाधित एवं मूक बधिर जूडोकाओं को पदक, 06 विभिन्न वर्गों में सर्वश्रेष्ठ जूडोकाओं को ट्राफी तथा ओवर आल प्रतियोगिता के रनर्स अप एवं विनर्स को ट्राफियां प्रदान की गयी।

इण्डियन ब्लाइंड एण्ड पैरा एसोसिएशन के चेयरमैन अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि जूडो राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में 15 राज्यों के प्रतिनिधि एवं बच्चे खिलाड़ी शामिल थे। ये कार्य संस्था द्वारा 10 वर्ष पहले शुरू किया गया था। आज 347 बच्चे इस प्रतियोगिता में आये हैं, जिसमें 103 लड़कियां हैं हमारा प्रयास है कि इनके अन्दर भरी असीम ऊर्जा इनकी ताकत बने।

कार्यक्रम में एसोसिएशन के महासचिव श्री मुनव्वर अंजार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री बी0के0 मौर्या एवं महासचिव श्री सुधीर हलवासिया सहित अन्य अधिकारी एवं मूक बधिर, खेल प्रेमी बच्चे उपस्थित थे।

NATIONAL
2021

2021

0
0
54

K.D. Sing

NATIONAL

NATIONAL
2021